राज्य की राजधानियों में सूचना केन्द्रों का खर्चा आधा सम्बन्धित राज्य सरकार और आधा केन्द्र सरकार उठाती है । बाद में यह भी तय हुआ कि राज्य की राजधानी में स्थापित सूचना केन्द्र के अतिरिक्त, एक और सूचना केन्द्र का भी आधा खर्चा केन्द्रीय सरकार दे, जिसे राज्य सरकार, जनसंख्या, उद्योग और व्यापार को ध्यान में रखते हुए किसी प्रमुख नगर में खोले । केन्द्रीय सरकार ऐसे सूचना केन्द्रों के प्रस्ताव पर विचार करके, आधा खर्च देगी ।

बिहार सरकार ने जनवरी, 1956 के अन्त में पटना में एक सूचना केन्द्र स्थापित किया, जिसका आधा खर्चा केन्द्रीय सरकार देती है । बिहार सरकार ने अभी दूसरे सूचना केन्द्र खोलने का प्रस्ताव नहीं किया है । भारत सरकार को इसकी कोई सूचना नहीं है कि बिहार सरकार, मोतीहारी, जिला चम्पारन में एक सूचना केन्द्र स्थापित करना चाहती है या नहीं ।

उपर्युक्त योजना के अन्तर्गत, मद्रास, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मैसूर, राजस्थान और आन्ध्र राज्यों में, ऐसे दो दो सूचना केन्द्र हैं, जिनका आधा खर्च केन्द्रीय सरकार देती है । उत्तर प्रदेश (सब से अधिक जनसंख्या वाला राज्य), बिहार, आसाम, उड़ीसा, केरल में, केन्द्रीय सरकार की सहायता से केवल एक एक सूचना केन्द्र ही चलाया जा रहा है ।

तारापुर अणु शक्ति केन्द्र के मजदूरों पर गोली चलाये जाने के बारे में जांच

1199. **श्री मधु लिमये :**
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री हरि विष्णु कामत :
श्री काजरोलकर :
श्री गोकुल नन्द महन्ती :
श्री यशपाल सिंह :
श्री बाजी :
श्री ह० च० सोय :
श्री मं० रं० कृष्ण :
श्री मा० ल० जाधव :
श्री जोशी :
श्री बसवन्त :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) क्या यह सच है कि पुलिस ने तारापुर अणुशक्ति केन्द्र के मजदूरों पर, जो 9 दिसम्बर, 1965 से हड़ताल पर थे, गोली चलाई, जिसके कारण 8 मजदूर मारे गये;

(ख) यदि हां, तो इस घटना का ब्यौरा क्या है और क्या हताहत व्यक्तियों के परिवारों को प्रतिकर दिया गया है ; और

(ग) क्या इस गोलीकाण्ड की न्यायिक जांच करवाने के लिए राज्य सरकार से कहा गया है और यदि हां, तो उसका परिणाम क्या निकला है ?

प्रधान मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्रीमती इंदिरा गांधी) : (क) और (ख). इस घटना का ब्यौरा निम्नलिखित है :—

तारापुर परमाणु बिजलीघर के निर्माण के लिये मुख्य ठेकेदार इंटरनेशनल जनरल इलैक्ट्रिक कम्पनी के एक उप-ठेकेदार मैसर्ज बैकटल इंडिया लिमिटेड के कर्मचारियों ने 9 दिसम्बर, 1965 को काम करना बन्द कर दिया । प्रायोजना- स्थल पर स्थिति 28

दिसम्बर तक शान्तिपूर्ण थी। 29 दिसम्बर को, जब बैकटल के लेबर कैम्प में हाथापाई शुरू हुई, स्थिति बिगड़ गई। इस गड़बड़ में कैन्टीन में लूटखसोट हुई और शीशे का सामान तथा चीनी के बर्तन हड़तालियों ने तोड़ दिये। यह विदित हुआ है कि उत्तेजित भीड़ को शान्त करने के लिये पुलिस की सभी कोशिशें बेकार होने पर और लाठी चार्ज तथा आंसू गैस के प्रयोग का भी कोई असर न होने पर पुलिस को मजबूर होकर गोली चलानी पड़ी। गोली चलाने के फलस्वरूप 8 व्यक्ति मारे गये और 12 घायल हुए जिनमें से एक की बाद में अस्पताल में मृत्यु हो गई। 52 पुलिस अफसर और सिपाही भी घायल हुए। स्थिति पर उसी दिन सायंकाल तक काबू पा लिया गया था। इसके बाद 29 जनवरी, 1966 को हड़ताल के समाप्त हो जाने तक कोई और घटना नहीं हुई। गोली काण्ड में मारे गये अथवा घायल हुए व्यक्तियों के परिवारों को राज्य सरकार द्वारा कोई मुआवजा नहीं दिया गया है।

(ग) गोली काण्ड की जांच मजिस्ट्रेट द्वारा की जा रही है।

पाकिस्तान युद्ध कोष के लिए अंशदान

1200. श्री आगाड़ी :
श्री रामसेवक यादव :
श्री यशपाल सिंह :
श्री राजदेव सिंह :

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री पाकिस्तान युद्ध कोष के लिये अंशदानों के बारे में 29 नवम्बर, 1965 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1482 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस बारे में की जा रही जांच पूरी हो चुकी है ;

(ख) यदि हां, तो दोषी व्यक्तियों की संख्या कितनी है ; और

(ग) उन व्यक्तियों के विरुद्ध सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) पूछताछ अभी हो रही है।

(ख) और (ग). पूछताछ पूरी हो जाने के बाद समुचित कार्रवाई की जायेगी।

भारतीय सैनिकों द्वारा चीनी सिपाही का पकड़ा जाना

1201. श्री किशन पटनायक :
श्री मधु लिमये :
डा० राम मनोहर लोहिया :
श्री बड़े :
श्री विभूति मिश्र :
श्री टे० द० पुरी :

क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तरी सीमा के मध्य क्षेत्र में भारतीय सैनिकों ने हाल में एक चीनी सिपाही को बन्दी बनाया है ;

(ख) क्या उस चीनी सिपाही ने फारमोसा जाने की इच्छा व्यक्त की है ; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री यशवन्त राव चह्वाण) :

(क) जी हां।

(ख) जी नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।